

किसी के लिये किया जाता है। बल्कि तब
जाते वजिह उक्त कारणों द्वारा वास्तविक पक्ष
में तबकी जायी लेना बर्दाश्त दि. ५.६.५५
को पो की

उपसंहार अधिकारी
बबलगर

५.६.५५

पत्रावली पेश हुई। वकील काहीशण व वकील
उपस्थित न्यायालय की बैठक से वकील काहीशण
व काहीशण को बार-बार रुक रुक कर
दोकार लवाकई धानु उपस्थित न्यायालय गयी
ये से काहे काहीशण अदक अजब रुक रुक
पैरवी काहीशण खाकि किया जाता है वास्तविक
किसल हुकम लेना वक्त से वक्त से तथा काहे
तकमील कनिदाही जासा अखिल हुकम हो किर्दा
किर दि. ५.६.५५ को सुप्री न्यायालय में हुकमवाक

उपसंहार अधिकारी
बबलगर

न्यायालय अधिकारी । हुकम लेना वक्त से वक्त से
किर दि. ५.६.५५ को सुप्री न्यायालय में हुकमवाक

न्यायालय अधिकारी । हुकम लेना वक्त से वक्त से
किर दि. ५.६.५५ को सुप्री न्यायालय में हुकमवाक